>

Title : Need to include several castes in Uttar Pradesh in the list of Scheduled Castes.

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके समक्ष एक महत्वपूर्ण सवाल उठा रहा हूं कि उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि सारे देश में 16 जातियां ऐसी हैं, जो पूरी तरह से सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक दृष्टि से शून्य के समान हैं। वे जातियां उपेक्षित हैं। यही सोचकर हमने 10 अक्तूबर, 2005 को उत्तर प्रदेश में एक कानून बनाकर उन 16 जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल किया। ये 16 जातियां - कहार, केवट, मल्लाह, निषाद, कश्यप, धीवर, धीमर, बाथम, तुरहा, गोंड, मांझी, बिन्द, भर, राजभर, कुम्हार और प्रजापति हैं। ये आदिवासी भी हैं। ये सारी जातियां उपेक्षित हैं। आपको याद होगा कि राज्य सभा में जब अमर सिंह जी द्वारा सवाल उठाया गया था, तो आप उस समय खुद मंत्री थीं। हमने इन जातियों को अनुसूचित जाति की जो भी सुविधाएं होती हैं, वे सारी दीं। एक प्रस्ताव विधान सभा के माध्यम से भारत सरकार को भिजवाया गया। भारत सरकार ने वह प्रस्ताव निरस्त कर दिया। माननीय अध्यक्ष महोदया, तब आप मंत्री थीं, जब राज्य सभा में श्री अमर सिंह के प्रश्न का जवाब दिया, तो आपने कहा था कि उ. प्र. विधान सभा से आया प्रस्ताव निरस्त कर दिया गया है। इसलिए आज हम आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहते हैं कि ये जातियां कब तक उपेक्षित रहेंगी?

महोदया, कांग्रेस सरकार का नारा है कि 'हमारा हाथ जनता के साथ' और अध्यक्ष महोदया, 'हमारा हाथ गरीबों के साथ।' लेकिन कांग्रेस ने जो कहा वैसा नहीं हो रहा है। कांग्रेस बात करती है गरीबों की और काम करती है अमीरों का । कांग्रेस पार्टी भाषणों में कहती है कि हम गरीबों के साथ हैं और काम किया अमीरों का और अमीर और अमीर बनते चले जा रहे हैं। अब सरकार एक व्यक्ति को जाने कितना बड़ा उद्योगपति बना रही है। मैं उसके बारे में महोदया, यहां नहीं बोलूंगा। सोलह जातियों के संबंध में विधान सभा का प्रस्ताव है।

मुझे इस बात की खुशी है कि चाहे समाजवादी पार्टी हो, चाहे बी.जे.पी. हो या कोई भी पार्टी हो, उत्तर प्रदेश विधान सभा ने सर्व-सम्मति से यह प्रस्ताव पास किया कि इन 16 जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल किया जाये। उसके बाद अनुसूचित जाति की सभी जो सुविधाएं दी गई थीं, वे उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार ने निरस्त करके जो सारी सुविधाएं, नौकरियां मिली थीं और रोजगार मिले थे, अनुसूचित जाति की सुविधाएं थीं, वे सारी की सारी सुविधाएं वापस ले ली गईं।...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): नहीं, ऐसा नहीं है।...(व्यवधान) अनुसूचित जातियों को शामिल करने का अधिकार केवल संसद को है। ...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : ऐसा नहीं है। यह काम बहुत कायदे से किया गया था। कानून के बड़े-बड़े बैरिस्टर, वकील और बड़े-बड़े जानकार लोगों की सलाह-मशविरे से रास्ता निकाला गया था। एडवोकेट जनरल, लॉ सैक्रेटरी और अन्य जो कानूनवेत्ता थे, उनकी राय से ही हमने इनको आरक्षण देकर सुविधाएं दी थीं, इसलिए यह प्रस्ताव आज भी निरस्त भले ही है, लेकिन सरकार को निरस्त किए हुए प्रस्ताव को बहाल करके, मेरी अपील है कि उनको सारी की सारी अनुसूचित जाति में शामिल करके सुविधाएं दी जायें। हमने इसका सर्वेक्षण करवाया था, ऐसे ही नहीं कर दिया था। हमने सर्वेक्षण करवाया और सर्वेक्षण करवाकर सब की रिपोर्ट आई है कि ये 16 जातियां अनुसूचित जाति में शामिल की जायें। उनकी रिपोर्ट पर और बड़े-बड़े कानूनवेत्ताओं की रिपोर्ट पर हमने यह प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा है। अन्त में मैं यह जानना चाहता हूं कि जो हमारे गरीब लोग हैं, जो समाज में सबसे ज्यादा पिछड़ गये हैं और आज भी ज्यों के त्यों गरीब हैं, उनके पास मकान नहीं, झोंपड़ी नहीं, रोजगार नहीं और नौकरियां नहीं...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपकी बात हो गई, अब आप समाप्त करिये।

श्री मुलायम सिंह यादव : इस प्रस्ताव को निरस्त क्यों किया गया, इसको बहाल करने का हम सरकार से मांग करते हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री दारा सिंह चौहान।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त करिये।

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): यह बहुत महत्वपूर्ण सवाल है।...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : सरकार इसको निरस्त करने का जवाब दे, यह हम सरकार से अपील करना चाहते हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : दारा सिंह जी, आप बोलिये।

श्री दारा सिंह चौहान : अनुसूचित जातियों को शामिल करने का अधिकार केवल संसद को है। अनुसूचित जाति में जातियों को शामिल

करने का अधिकार केवल संसद को है। उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जातियों के साथ इन्साफ हो रहा है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप बोलिये।

श्री दारा सिंह चौहान : इनको बैठा दीजिए, नहीं तो मैं कैसे बोलूंगा।...(व्यवधान) अगर लोग नहीं बैठेंगे तो मैं कैसे बात करूंगा।

12.18 hrs.

(At this stage Shri Bishnu Pada Ray came and

stood on the floor near the Table)

अध्यक्ष महोदया : आप अपनी सीट पर जाकर बोलिये।

12.18Â¼ hrs.

(At this stage Shri Bishnu Pada Ray went back to his seat)

अध्यक्ष महोदया : आपके मैम्बर बोल रहे हैं, आप बैठ जाइये। श्री विÂणु पद राय, आप बोलिये। आप अपने मैम्बर्स को बैठाइये।

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह): आप इनको बैठाइये, तो मैं बोलूंगा।

अध्यक्ष महोदया : आप अपने मैम्बर्स को बैठाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप बैठ जाइये। आपने अपनी बात कह दी है। विÂष्णु पद राय जी, अब आप बोलिये।